Library Kendriya Vidyalaya Dabra

Dear Students, Read the following stories in Hindi and in English and find out new words. Write down these new words with meaning in your Library Notebook.

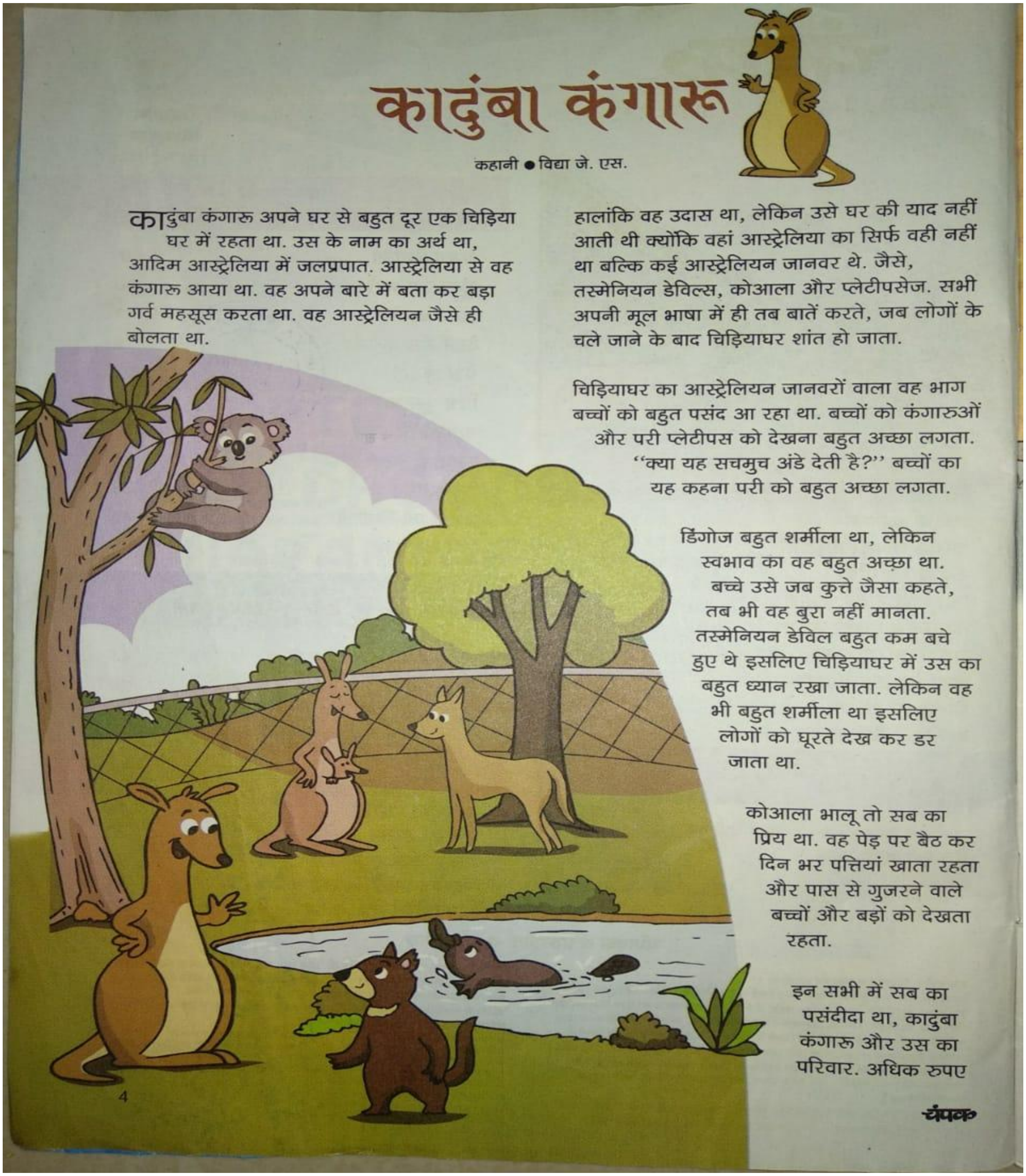

कादुंबा कंगारू

कहानी ● विद्या जे. एस.

कादुंबा कंगारू अपने घर से बहुत दूर एक चिड़िया घर में रहता था. उस के नाम का अर्थ था, आदिम आस्ट्रेलिया में जलप्रपात. आस्ट्रेलिया से वह कंगारू आया था. वह अपने बारे में बता कर बड़ा गर्व महसूस करता था. वह आस्ट्रेलियन जैसे ही बोलता था.

हालांकि वह उदास था, लेकिन उसे घर की याद नहीं आती थी क्योंकि वहां आस्ट्रेलिया का सिर्फ वही नहीं था बल्कि कई आस्ट्रेलियन जानवर थे. जैसे, तस्मेनियन डेविल्स, कोआला और प्लेटीपसेज. सभी अपनी मूल भाषा में ही तब बातें करते, जब लोगों के चले जाने के बाद चिड़ियाघर शांत हो जाता.

चिड़ियाघर का आस्ट्रेलियन जानवरों वाला वह भाग बच्चों को बहुत पसंद आ रहा था. बच्चों को कंगारुओं और परी प्लेटीपस को देखना बहुत अच्छा लगता. ''क्या यह सचमुच अंडे देती है?'' बच्चों का यह कहना परी को बहुत अच्छा लगता.

डिंगोज बहुत शर्मीला था, लेकिन स्वभाव का वह बहुत अच्छा था. बच्चे उसे जब कुत्ते जैसा कहते, तब भी वह बुरा नहीं मानता. तस्मेनियन डेविल बहुत कम बचे हुए थे इसलिए चिड़ियाघर में उस का बहुत ध्यान रखा जाता. लेकिन वह भी बहुत शर्मीला था इसलिए लोगों को घूरते देख कर डर जाता था.

कोआला भालू तो सब का प्रिय था. वह पेड़ पर बैठ कर दिन भर पत्तियां खाता रहता और पास से गुजरने वाले बच्चों और बड़ों को देखता रहता.

इन सभी में सब का पसंदीदा था, कादुंबा कंगारू और उस का परिवार. अधिक रुपए

4

चंपक

दे कर कोई भी कादुंबा के पास जा कर उस के साथ उछलकूद कर सकता था. इस बात से कादुंबा बहुत दुखी रहता था.

कादुंबा को डांस बहुत पसंद था. एक बार उस ने एक बच्चे को पेंग्विन की तरह डांस करते देखा, तो कोआला से पूछा, ''अरे, यह छोटा बच्चा क्या कर रहा है?''

''यह एक प्रकार का डांस है, कादुंबा. इसे मूनवाक कहा जाता है. एक प्रसिद्ध सिंगर माइकल जैक्सन की वजह से यह बहुत प्रसिद्ध हुआ. अब तो सभी यही डांस करना चाहते हैं,'' कोआला ने पत्तियां चबाते हुए कहा.

''सचमुच?'' कादुंबा बोला और उस का पैर भी हिलने लगा. ''मैं भी मूनवाक करना चाहता हूं.''

सूरज डूबने के बाद जब सभी लोग चले गए, तो कादुंबा डांस करने की कोशिश करने लगा. टोटो तस्मेनियन एक अच्छा डांसर था. वह कादुंबा को डांस सिखाने लगा. जल्दी ही उस ने फौक्सट्रौट, बर्डी डांस, स्नैक डांस और कुछ अन्य मनोरंजक डांस सीख लिए, लेकिन मूनवाक उस की समझ में नहीं आया. ''मैं कभी मनुष्यों की तरह मूनवाक नहीं कर पाऊंगा,'' वह बोला.

अगले कुछ दिनों तक जब लोग उस के साथ उछलकूद करने आते, तो वह कोने में चुपचाप बैठा रहता. जल्दी ही डाक्टर बुलाया गया. डाक्टर ने उस का भार और तापमान देखा. साथ ही उस की जीभ, कान और नाक की भी जांच की. सब कुछ ठीक था. लेकिन कोई यह नहीं समझ पा रहा था कि कादुंबा उदास क्यों है.

कादुंबा की मम्मी भी दुखी थी. पहले तो उसे लगा कि शायद वह मेरे पाउच से निकल कर खुश नहीं है, क्योंकि उसी पाउच में उस का लालनपालन हुआ था. मम्मी ने उसे एक छोटी सी पार्टी दी, बात भी की. लेकिन फिर भी कादुंबा खुश नहीं हुआ.

कादुंबा ने उस के बाद भी मूनवाक सीखना जारी रखा. एक दिन परी उस के पास आ कर बोली, ''कादुंबा, तुम अपने संगीत पर ही डांस करो और अपने ही स्टेप्स बनाओ.''

''इस का क्या मतलब हुआ?'' कादुंबा ने पूछा.

''इस का मतलब यह है कि तुम आदमी नहीं, कंगारू हो. तुम किसी की नकल करने के बजाय अपना डांस ही करो तो अच्छा है,'' कह कर परी चली गई.

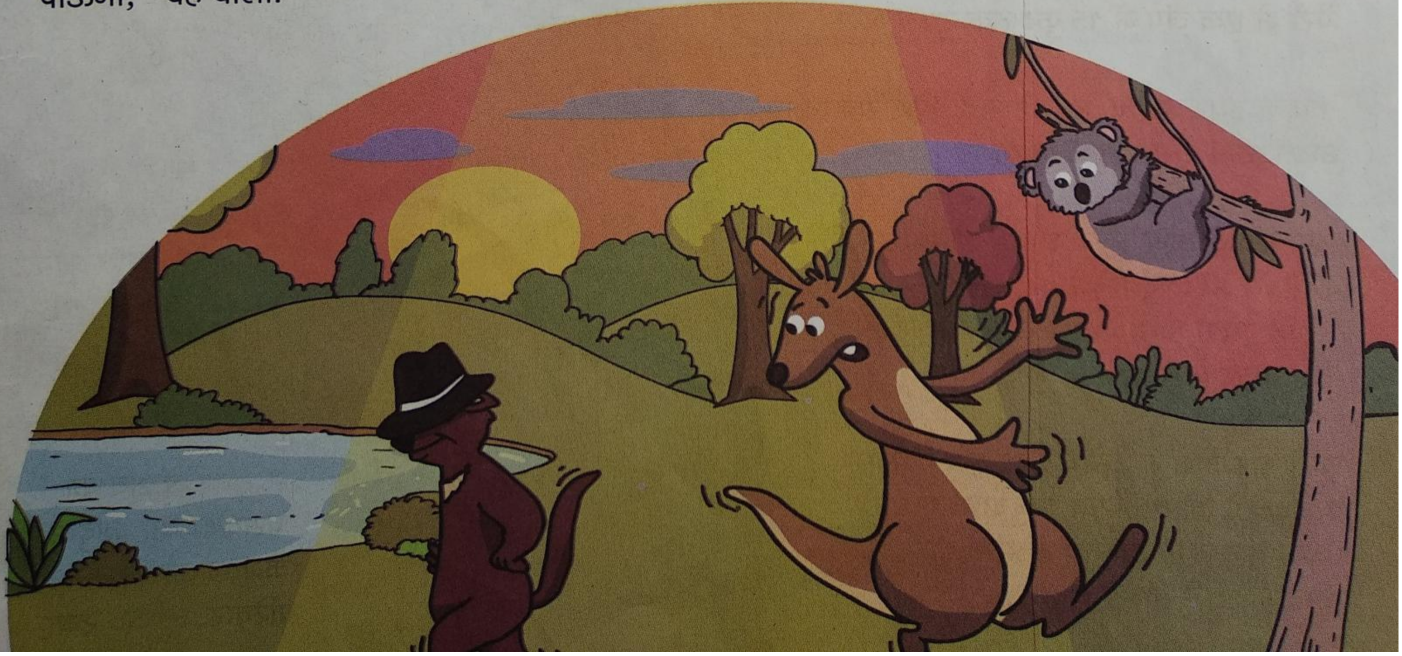

अचानक कादुंबा को परी की कही बात याद आ गई. उस ने मुसकराते हुए कहा, ''तुम्हें अपने स्टेप्स स्वयं तैयार करने चाहिए.''

तभी उस की नजर परी पर चली गई जो उस की सहमति में अपना पूंछ हिला रही थी.

उस दिन से कादुंबा ने मूनवाक का खयाल ही छोड़ दिया. अब वह मूनहौप्प करता था और खूब मजे करता था.

चिड़ियाघर में आने वाले लोग कादुंबा की ऊर्जा देख कर हैरान रह जाते और उस से मूनहौप्प सीखने की कोशिश करते.

उसी शाम तस्मेनियन डेविल और डिंगोज जब अपने पारंपरिक गाने गा रहे थे, तो शुरू में कादुंबा ने ध्यान नहीं दिया लेकिन फिर उस ने अपना डांस शुरू कर दिया.

सभी ने हैरानी से देखा कि कादुंबा अपने मजबूत पैरों से एक जंप में 15 फुट तक उछल गया.

कादुंबा इधर उछला, उधर उछला, फिर सब जगह उछलउछल कर डांस करने लगा.

वहां मौजूद सभी खरगोश यह सोचने लगे कि काश, वे भी कादुंबा की तरह डांस कर पाते. संगीत खत्म होने के बाद सभी ने कादुंबा के लिए ताली बजाई.

सभी खरगोशों ने उसे कंगारू हौप सिखाने की विनती की तो हैरान कादुंबा ने पूछा, ''क्या तुम सभी सचमुच मुझ से डांस सीखना चाहते हो?''

Kadumba, the Kangaroo

By Vidya J S

Kadumba kangaroo lived in a zoo far away from his home. His name meant waterfall in aboriginal Australian, which was where he was from. He was proud to talk about his roots to everyone. "Yeah mate, I'm from the land down under," he would speak with the Australian twang.

Kadumba, though was sad. Not that he missed home, as he was not the only one from Australia. He had dingoes, Tasmanian devils, koalas and platypuses for company in nearby enclosures. They all would speak in the aboriginal language after dusk, when humans left and the zoo was quiet.

The Australian section of the zoo was a huge hit with the children. Kids loved seeing the kangaroos and Pari, the platypus with her exotic looks – flat tail, duck billed and webbed feet. "Does she really lay eggs?" the children would ask and Pari loved the attention.

The Dingoes were shy, but they were good sports and did not mind when the children said that they looked like the dogs back home. The Tasmanian devil – because there are so few of them left – always had a special status in the zoo, but they too were shy, hid from prying and curious human eyes.

The koala bear was everyone's love. She would sit on trees eating leaves all day and watch the children and elders pass by.

But clearly the favourite was Kadumba, the kangaroo and his family. For a special fee, humans could hop alongside the kangaroos in their enclosure. And this was what made Kadumba sad.

It wasn't that he did not enjoy the attention of people trying to hop like him. It was because Kadumba did not want to hop. He wanted to do the moon walk!

Kadumba loved dancing. He had once seen a little boy dancing and gliding almost like the penguins, but with a rhythm to him. Kadumba called out to Kala, the koala and asked her, "Hey, what's that little boy doing?"

"It's a kind of dance, Kadumba. It's called the moonwalk. A famous singer called Michael Jackson made it very popular and since then everyone wanted to dance like him," said the Kala in her sleepy voice amidst leafy bites.

"Really?" said Kadumba aloud, his feet suddenly twitching. "I want to moonwalk too!"

So after sundown and when everyone left – Kadumba tried dancing. Toto, the Tasmanian devil was actually a good dancer and offered him dancing lessons. Soon he learnt the foxtrot, the birdie dance, the snake dance and other interesting dance forms – but the moonwalk eluded him. "I will never moonwalk like humans," he said dejected.

Over the next few days when people came to hop with him – he just sat in a corner. Soon the doctors were called and they checked his temperature and weight. They checked his tongue and his ears and his nose and declared he was in good health. Nobody could figure out why Kadumbo was sad.

Kadumba's mother was worried too. At first, she thought he was missing her pouch in which baby Kadumba had spent many cosy months nursing and growing. Now that he was big, he no longer needed the pouch, but still she wondered. She tried giving him his favourite treats and talking to him, but nothing made Kadumba smile.

After many dust-raising, foot stomping evenings had passed where Kadumba kept trying to moonwalk. Pari, the platypus decided to intervene. She came to Kadumba and said, "Kadumba, dance to your music and find your own step."

"What does that mean?" Kadumba sulked and asked.

"That means you are a kangaroo, not a human. Find your own dance and don't copy," said Pari and left.

That evening when the Tasmanian devil and the dingoes began to sing old aboriginal tunes, Kadumba first ignored them, but soon he began to hop - bippity bop boo - like a cool kangaroo.

Everyone watched in awe as Kadumba covered 15 feet in one jump on his strong springy hind legs. He hopped here, then there, and soon was everywhere – dancing and hopping like only he could. The rabbits all sighed collectively wishing they could hop like Kadumba. When the music was over, everyone clapped for Kadumba.

The rabbits hopped up to him and asked if he could teach them the kangaroo hop."Do you really want to learn from me?" asked Kadumba surprised.

Suddenly, Kadumba understood what Pari had told him. He smiled at the little rabbits and said, "To be hip you have to find your own hop." His eyes twinkled at Pari who waved her wide tail in response.

From that day on, Kadumba stopped wishing to do the moonwalk. He 'moon-hopped' instead! And he enjoyed himself immensely. The humans loved Kadumba's energy and there were people always near his enclosure trying to learn his moon hop. ●

आर्यन ने पढ़ी कहानी

कहानी ● मनोज राय

''मम्मी, प्लीज मुझे एक कहानी सुनाओ,'' आर्यन ने एक कहानी की किताब मम्मी के हाथों में देते हुए कहा.

''आर्यन, तुम अब 7 साल के हो गए हो, अब कहानियां पढ़ना खुद सीखो,'' मम्मी ने कहा.

''सिर्फ आज सुना दो, मम्मी, प्लीज. आज के बाद मैं खुद ही कोशिश कर के पढ़ लूंगा,'' आर्यन ने विनती करते हुए कहा तो मम्मी तैयार हो गईं.

''आज एक नई कहानी सुनाओ, '' कह कर आर्यन किताब के पेज पलटने लगा.

''यह कहानी अच्छी लग रही है,'' कह कर आर्यन एक ऐसे पेज पर रुक गया, जिस में कई जानवरों के चित्र के साथ एक कहानी छपी थी.

आर्यन को कहानी सुनना बहुत पसंद था. मम्मी ने उसे कई बार कहा था कि कहानियां उसे खुद पढ़नी चाहिए, लेकिन आर्यन मम्मी से ही कहानियां सुनाने

को कहता रहता. ऐसा नहीं था कि वह पढ़ने की कोशिश नहीं करता था, लेकिन कहानियां लंबी होतीं, तो वह पढ़तेपढ़ते बीच में ही छोड़ देता.

एक दिन आर्यन अपने दोस्त सोनू के घर गया. सोनू ने उसे एक किताब देते हुए कहा, ''आर्यन, तुम्हें यह किताब पढ़नी चाहिए. इस में कुछ अच्छी कहानियां हैं.''

आर्यन किताब ले कर घर तो आ गया, लेकिन दोबारा उस किताब की तरफ देखा तक नहीं.

''मम्मी, सोनू ने मुझे एक नई किताब दी है. कृपया उस में से कोई कहानी सुना दो,'' उस ने फिर से मम्मी से विनती की.

''मैं सचमुच बहुत व्यस्त हूं, आर्यन. तुम दादीमां से क्यों नहीं कहते?'' मम्मी ने सलाह दी.

''ठीक है,'' कह कर आर्यन दादीमां के पास चला गया.

''आर्यन, मैं तो इतने छोटेछोटे शब्द नहीं पढ़ सकती, मुझे तो माफ करो,'' दादीमां ने कहा.

'ओह,' आर्यन दुखी हो कर सोचने लगा, 'अब तो मुझे खुद ही कहानी पढ़नी होगी.'

वह सोफे पर बैठ कर पढ़ने लगा.

''यह तो बहुत अच्छी किताब लग रही है,'' वह उत्साह से बोला.

शुरुआत में उसे पढ़ने में दिक्कत हुई. कुछ शब्द भी उस के लिए मुश्किल थे. लेकिन धीरेधीरे वह अच्छी तरह पढ़ने लगा. हंसीमजाक वाली बातों पर वह जोरजोर से हंसता भी जा रहा था.

''और सभी ने हैप्पी के सुझबूझ की खूब तारीफ की,'' कहानी की अंतिम लाइन पढ़ते हुए आर्यन बहुत खुश था.

''मैं ने पूरी कहानी खुद ही पढ़ ली,'' खुशी से आर्यन जोरजोर से चिल्लाने लगा.

''मम्मी, आप कहां हो?'' अपनी मम्मी को आवाज लगाते हुए आर्यन किचन की ओर भागा.

''क्या बात है?'' आर्यन की मम्मी किचन से बाहर आती हुई बोलीं.

''मम्मी, आप प्रत्येक दिन मुझे कहानी सुनाती हैं. लेकिन आज मैं आप को भी कहानी सुना सकता हूं,'' कह कर आर्यन एक कहानी जोरजोर से पढ़ने लगा.

मम्मी ने प्यार से आर्यन को गले लगा लिया. ●

Aryan Reads a Story

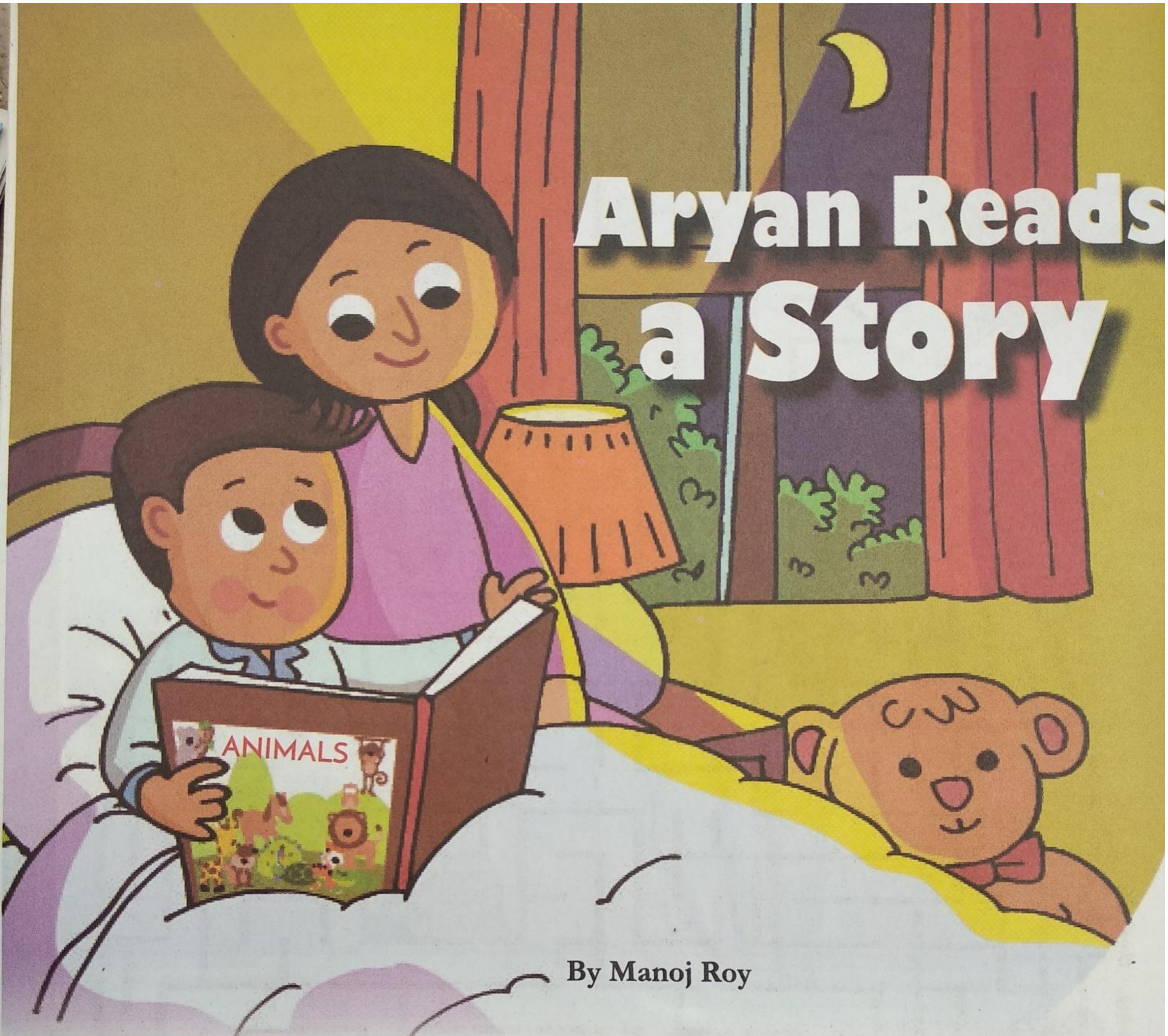

By Manoj Roy

"Mom, please read me a story," said Aryan handing over a storybook to his Mom.

"Aryan, you are seven years old now. Try reading these stories by yourself," Mom replied, running her hand over his head.

"Just today, Mom, please read to me. After this, I will try and read them by myself," pleaded Aryan, and Mom agreed.

"Let's read a new story today," said Aryan and flipped the pages.

"This looks like a nice story," Aryan sai stopping on a page which had a story w many animal characters.

Aryan loved listening to stories.

Mom would tell that he should read on his own, but he always asked her to rea

Not that Aryan did not try reading stor but it always took him long to read and would give up.

One day, when Aryan went to visit his friend, Sonu at his house, Sonu handed him a book and said, "Hey, you should read this book. It has some really interesting stories."

Aryan brought back the book home but never read it.

"Mom, Sonu gave me a new book! Please read a story from it," he again pleaded.

"I'm really busy now, Aryan. Why don't you ask Grandma to read to you?" Mom suggested.

"All right, Mom!" said Aryan, and went to his Grandma.

"Aryan, I can't read such tiny letters. I'm sorry," said Grandma.

"Oh!" Aryan was upset. "Now I will have to read this book by myself."

He sat on the sofa and started reading.

"This looks like a really good book," he said, excitedly.

In the beginning, he found it difficult and also got stuck at a few words, but slowly he could read well.

He laughed at some humorous parts in between.

"And then everyone praised Happy for his presence of mind," he read the last line, and felt instantly elated.

"I could read the whole story on my own!" Aryan said aloud, feeling accomplished.

"Mom! Where are you?" he cried, running out of his room.

"What is it?" Aryan's mom rushed into the room.

"Mom, you normally read stories to me every day. But today, I shall read one to you," he said, and started reading out.

His mom hugged him affectionately. ●